पंजाब केसरी 12/10/2025

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में 'साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन सुरक्षा को समझना' विषय पर हुई संगोष्ठी

अम्बाला, 11 अक्तूबर (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में शनिवार को संस्थान नवाचार परिषद (आई.आई.सी.) तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में 'साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन सुरक्षा को समझना' पर अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के दौरान अम्बाला पुलिस के साइबर थाना एवं साइबर सैल टीम से सब इंस्पैक्टर समर्पित, हैड कांस्टेबल नवदीप तथा साइबर विशेषज्ञ बबित ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों की जटिलताओं और उनसे बचाव के उपायों पर गहन जानकारी प्रदान की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के बढ़ते महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना और उन्हें डिजिटल युग में सुरक्षित रहने के व्यावहारिक उपायों से अवगत करवाना था।

सब इंस्पैक्टर समर्पित ने कहा कि आज का युग डिजिटल क्रांति का युग है, जहां हर व्यक्ति इंटरनैट से जुड़ा हुआ है, लेकिन यह सुविधा जितनी आसान लगती है, इसके भीतर उतने ही बड़े खतरे छिपे हुए हैं। साइबर अपराधी अब तकनीक का इस्तेमाल मासूम लोगों को ठगने के लिए कर रहे हैं। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी व्यक्तिगत जानकारी, बैंकिंग विवरण और सोशल मीडिया अकाऊंट्स की सुरक्षा को लेकर अत्यंत सजग रहना चाहिए।

याद रखें, स्मार्ट यूजर वही है, जो डिजिटल रूप से सतर्क है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधों में फिशिंग, ऑनलाइन ठगी, ओ.टी.पी. फ्रॉड, नकली वैबसाइटों और सोशल मीडिया हैकिंग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिनसे बचाव का सबसे बड़ा हथियार सावधानी और जागरुकता ही है।

हैड कांस्टेबल नवदीप ने विद्यार्थियों को पासवर्ड सुरक्षा और डिजिटल स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हम अपने घर के दरवाजों को बंद रखते हैं, परंतु अपने मोबाइल और लैपटॉप को खुला छोड़ देते हैं। यही हमारी सबसे बड़ी गलती है। पासवर्ड को मजबूत बनाना, नियमित रूप से अपडेट करना और अज्ञात लिंक पर क्लिक करने से बचना ही साइबर सुरक्षा की पहली सीढ़ी है।

उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि किसी भी संदिग्ध कॉल, संदेश या ईमेल का तुरंत जवाब देने के बजाय उसे सत्यापित करें और आवश्यकता पड़ने पर साइबर हैल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें।

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में 'साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन सुरक्षा को समझना' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते विशेषज्ञ। (चंद्रमोहन)